



31 AUG 2021

संदेश

शिक्षक प्रदत्त ज्ञान-विज्ञान छात्रों को जीवन जीने की कला का आधारभूत अवसंरचना प्रदान करता है। शिक्षक एक ऐसा संरक्षक एवं संपोषक होता है जो छात्र में सत्य, न्याय, स्वतंत्रता, समानता जैसे नैतिक, सामाजिक व सांस्कृतिक मूल्यों के भावों का सतत् सृजन एवं संवर्द्धन करता है। शिक्षक छात्र को ज्ञान, कौशल और सकारात्मक व्यवहार से सुसज्जित कर उन्हें संसार के चुनौतियों से लड़ने और अपने उदात्त प्रयासों में सफल होने के लिए सक्षम और सामर्थ्यवान बनाता है।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन द्वारा एक राजनेता, विद्वान, दार्शनिक और एक महान शिक्षाविद् के रूप में महती योगदान के लिए उनके जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाकर हर वर्ष यह देश उनको श्रद्धा-सुमन अर्पित करता है। हालांकि, हमारे देश में कई महान शिक्षक हैं जो छात्रों के जीवन को समृद्ध बनाने के साथ-साथ नव-भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए अपनी भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हमारे देश के शिक्षक वृंद देश के नौनिहालों के सम्यक प्रतिभा को प्रखरता प्रदान करने के लिए पूर्ण समर्पण भाव और मनोयोग से कार्य करेंगे।

ऐसे सभी योगनिष्ठ शिक्षकों की सराहना के लिए आज का दिन एक विशेष दिवस होता है, जब समुदाय के प्रति उनके विशेष योगदान के लिए उन्हें सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने का महोत्सव मनाया जाता है।

शिक्षक अपने छात्रों के लिए मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक होते हैं और युवा मानस पर उनके प्रभाव का वर्णन शब्दातीत है। शिक्षक अपने छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत होते हैं जो उन्हें अज्ञानता के तिमिर से निकालकर ज्ञान-विज्ञान के ज्योतिर्मय वातावरण में प्रवेश कराकर उन्हें जिज्ञासु और अन्वेषी बनाते हैं।

मैं, शिक्षक दिवस के इस शुभ अवसर पर सभी शिक्षकों को उनके राष्ट्र निर्माण के प्रयास में सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं देती हूँ। साथ ही, हमारे महान राष्ट्र के निर्माण में अपनी अमूल्य सेवाएं प्रदान करने के लिए उन सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता एवं आभार व्यक्त करती हूँ।

(अन्नपूर्णा देवी)